Sorghum Newsletter

Directorate of Sorghum Research, Rajendranagar, Hyderabad. 500 030.

Serial No. 131 | Hyderabad ◘ Solapur ◘ Warangal | August, 2014

In this issue.....

1. Visit of CD Mayee, former chairperson, ASRB
2. Refresher Course on "Biodiversity, PVP, IPR and Related Issues in Agriculture vis-a-vis Seed Industry"
3. Varietal Identification committee meeting
4. Visit of Dr. RR Hanchinal, Chairperson, PPV&FRA, New Delhi
5. Implementation of MIS and FMS at DSR
6. Independence Day Celebrated
7. Visitors
8. AICSIP News

Visit of CD Mayee, former chairperson, ASRB

Dr. CD Mayeee, former chairperson, ASRB, New Delhi visited Directorate of Sorghum Research, Hyderabad on 01 August

2014. Dr. JV Patil, Director, DSR explained him about the research strategies, action plans, and monitoring techniques being practiced at DSR to increase the research and scientific output. Dr. Mayee visited various laboratories and addressed the scientists. On this occasion, Dr. Mayee was felicitated by the staff of DSR. The Director and the staff recollected his services as former Chairman of ASRB, and thanked him for his guidance and help to DSR. Speaking on this occasion, He expressed his thanks to one and all for their help and co-operation during his tenure. Dr. Vilas A Tonapi, Prinicpal Scientist coordinated this visit.

Refresher Course on "Biodiversity, PVP, IPR and Related Issues in Agriculture vis-a-vis Seed Industry"

Directorate of Sorghum Research, Hyderabad organized Refresher Course on "Biodiversity, PVP, IPR and Related

समाचार सारांश

कृषि एवं बीज उद्योग में जैव-विविधता, पौधा किस्म संरक्षण, बौद्धिक संपदा अधिकार व संबंधित विषयों पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

पादप किस्म संरक्षण तथा विशिष्टता, एकरूपता तथा स्थायीत्व (डस) परीक्षण पर जागरूकता लाने के उद्देश्य से ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में पा.कि.कृ.अधि.सं. प्राधिकरण के प्रायोजन से 2-4 अगस्त, 2014 के दौरान निदेशालय में *कृषि एवं बीज उद्योग में जैव-विविधता, पौधा किस्म संरक्षण, बौद्धिक संपदा अधिकार व संबंधित विषयों* पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया । इस प्रशिक्षण में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की बीज कंपनियों, भाकृअनुप संस्थानों, बीज निगमों, बीज-वर्धकों तथा आ.एन.जी.रं.कृ.विवि. से कुल 40 सहभागियों ने भाग लिया । डॉ. आर आर हनिंचल, अध्यक्ष, पा.कि.कृ.अधि.सं. प्राधिकरण, नई दिल्ली इस पाठ्यक्रम में मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित थे तथा उन्होंने डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, ज्वा.अनु.नि. की उपस्थिती में उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया । पाठ्यक्रम के समन्वयकों डॉ. विलास ए टोणपी, डॉ. एम एलंगोवन तथा के श्रीनिवास बाबु ने इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया ।

किस्म पहचान समिति की बैठक

निदेशालय में 19 अगस्त 2014 को डॉ. आर पी दुआ, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप की अध्यक्षता में क़िस्म पहचान समिति की बैठक हुई । समिति ने 7 प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार किया तथा लोकार्पण हेतु निम्नलिखित संकरों व क़िस्मों की पहचान की :

खरीफ संकर :

एसपीएच 1703 (एनएसएच 55): नुजिवीडु सीड्स प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा विकसित *खरीफ* ज्वार संकर तथा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरी गुजरात, दक्षिण आंध्र प्रदेश एवं तमिलनाडु राज्य शामिल क्षेत्र – I हेतु संस्तुत ।

एसपीएच 1702 (एचटी-जीएस 3201): हायटेक सीड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद के द्वारा विकसित *खरीफ* ज्वार संकर तथा महाराष्ट्र कर्नाटक, मध्य प्रदेश, दक्षिणी गुजरात तथा उत्तरी आंध्र प्रदेश राज्य शामिल क्षेत्र – II हेतु संस्तुत ।

एसपीएच 1705 : अभासअनुप केंद्र, डॉ. पं.दे.कृ.वि., आकोला के द्वारा विकसित *खरीफ* ज्वार संकर तथा महाराष्ट्र कर्नाटक, मध्य प्रदेश, दक्षिणी गुजरात तथा उत्तरी आंध्र प्रदेश राज्य शामिल क्षेत्र – II हेतु संस्तुत ।

खरीफ किस्म :

एसपीवी 2122 (पालमुरु जोन्ना) : अभासअनुप केंद्र, पालेम (आ.एन.जी.रं.कृ.विवि.) के द्वारा विकसित *खरीफ* ज्वार किस्म तथा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तरी गुजरात, दक्षिणी आंध्र प्रदेश तथा तमिलनाडु राज्य सम्मिलित क्षेत्र - I हेतु संस्तुत ।

चारा किस्म :

एसपीवी 2128 : ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद के द्वारा विकसित *चारा* ज्वार किस्म तथा महाराष्ट्र कर्नाटक, मध्य प्रदेश, दक्षिणी गुजरात तथा उत्तरी आंध्र प्रदेश राज्य शामिल क्षेत्र – II हेतु संस्तुत ।

डॉ. सी डी मैई, निदेशक, पा.कि.कृ.अ.सं. प्राधिकरण का दौरा

डॉ. सी डी मैई, निदेशक, पा.कि.कृ.अधि.सं. प्राधिकरण ने 01 अगस्त 2014 को निदेशालय का दौरा किया । डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, ज्वा.अनु.नि. ने उन्हें यहां संचालित अनुसंधान गतिविधियों, कार्य योजनाओं तथा अनुसंधान एवं वैज्ञानिक परिणामों में वृद्धि हेतु निदेशालय में कार्यान्वित की जा रही अनुवीक्षण तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान की । डॉ. सी डी मैई ने विभिन्न प्रयोगशालाओं का दौरा भी किया । डॉ. विलास ए टोणपी, प्रधान वैज्ञानिक ने इस दौरे का समन्वय किया ।

डॉ. हनिंचल, अध्यक्ष, पा.कि.कृ.अ.सं. प्राधिकरण, नई दिल्ली का दौरा

डॉ. आर आर हनिंचल, अध्यक्ष, पा.कि.कृ.अधि.सं. प्राधिकरण ने 02 अगस्त 2014 को ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद में आयोजित डस परीक्षणों का निरीक्षण किया । ज्वार के डस परीक्षण हेतु ज्वार अनुसंधान निदेशालय, हैदराबाद नोडल केंद्र है । डॉ. जे वी पाटील, निदेशक, ज्वा.अनु.नि. के साथ डॉ. के हरिप्रसन्ना, नोडल अधिकारी ने विभिन्न उम्मीदवार किस्मों पर किए जा रहे डस परीक्षण के बारे में जानकारी प्रदान की । डॉ. हनिंचल ने डस परीक्षण हेतु किए गए प्रक्षेत्र अभिविन्यास, परीक्षणों के प्रबंधन एवं अनुरक्षण की सराहना की ।

निदेशालय में प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) तथा वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) का कार्यान्वयन

निदेशालय में 11 अगस्त 2014 से प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) तथा वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) का कार्यान्वयन किया जा रहा है । डॉ. ए कलैसेकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, ज्वा.अनु.नि. को भा.कृ.सां.अनु.सं. तथा आई.बी.एम. के मध्य समन्वय स्थापित करने हेतु नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है ।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

निदेशालय में 15 अगस्त 2014 को बड़े ही उत्साह एवं उमंग के साथ भारत के स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर डॉ. एस एस राव, प्रभारी निदेशक, ज्वा.अनु.नि. ने झंडा फहराया तथा समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित किया ।

आगन्तुक

रा.व.स्वा.प्र.सं., हैदराबाद से प्रशिक्षार्थी

ज्वार अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर जानकारी प्राप्त करने हेतु रा.व.स्वा.प्र.सं., हैदराबाद से 23 महिला कृषक प्रशिक्षार्थियों ने 02 अगस्त 2014 को निदेशालय का दौरा किया । प्रशिक्षार्थियों ने ज्वार, चारा ज्वार तथा मीठी ज्वार के वैकल्पिक उपयोग में रुची दिखाई । इस दौरे का समन्वय डॉ. आर आर चापके, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं श्रीमती ए अन्नपूर्णा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी के द्वारा किया गया ।

अभासज्वाउप समाचार

आकोल केंद्र पर नया कीटविज्ञानी

डॉ. वी यू सोनलकर, सहायक प्रोफेसर, कीटविज्ञान ने 01 अगस्त, 2014 को अभासज्वाउप, आकोल के अंतर्गत कीटवैज्ञानिक के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

-डॉ. महेश कुमार

Issues in Agriculture vis-a-vis Seed Industry" during 2 – 4 August 2014 at the DSR, Hyderabad to sensitize seed

industry managers. It was organized to benefit mainly the managers and scientists from seed industry who are

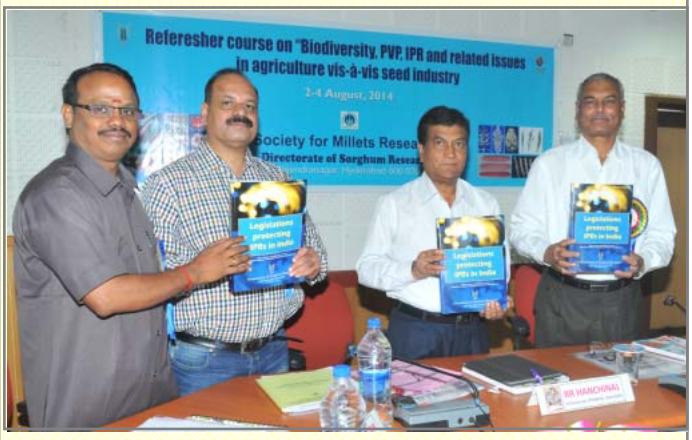

actively engaged in research, development and IP protection activities in the country. The training was attended by 40 delegates representing the cross-section of the major private and public sector seed companies, ICAR institutes, Seed corporations, and SAUs. Dr RR Hanchinal, Chairman, PPV&FRA New Delhi was the Chief Guest and inaugurated this programme in presence of Dr. Dr. JV Patil, Director, DSR. On this occasion a training manuals entitled "Plant Variety Protection Made Easy" and " Legislations protecting IPRs in India were collectively released by the dignitaries. The participants discussed about the process and intricacies of the Plant Variety Protection, guidelines to conduct DUS test and process of filling the PVP forms in addition to issues relating to biodiversity, seed regulations, biotech crops and their role in food security. Dr. R Hampaiah, chairman, AP Biodiversity Board also delivered a lead lecture on this occasion. Dr. Sashank Mauria, ADG (IPR) delivered the valedictory address and distributedthe certificates to the deligates. Drs. Vilas A Tonapi,M Elangovan and K Srinivasa babu, of DSR were the course coordinators and organized this event successfully.

Varietal Identification committee meeting

The Varietal Identification Committee meeting was held at

DSR on 19 August under the chairman ship of RP Dua, ADG (FFC)-ICAR. Other members participated in this meeting

were: Dr. D Loknath Reddy, Prinicpal Scientist, ANGRAU (DR Nominee), Dr. MV Sudhakar, Manager (Production), National Seeds Corporation , Hyd, Dr. KS Varaprasad, Director, DOR, Hyderabad, DR. LV Subba Rao, Principal Scientist DRR, Hyderabad; DR. AV Kini, Manager, Syngenta India Ltd. Representative from seed sector, Dr. JV Patil, Member Secretary. Drs. Prbhakar, JS Mishra, VR BHagwat, IK Das, AV Umakanth and C Aruna were the invitees for this meeting. The committee critically examined 7 proposals and identified following hybrids and varieties for release.

Kharif Hybrids:

SPH 1703 (NSH 55): *(Kharif* sorghum hybrid) developed by Nuziveedu Seeds Private Limited and recommended for Zone I comprising the states of Rajasthan, Uttar Pradesh, North Gujarat, South Andhra Pradesh and Tamil Nadu.

SPH 1702 (HT-GS 3201): *Kharif* sorghum hybrid developed by Hytech Seeds India Private Limited, Hyderabad recommended for Zone II comprising the states of Maharashtra, Karnataka, Madhya Pradesh, South Gujarat and North Andhra Pradesh.

SPH 1705: *Kharif* sorghum hybrid developed at AICRP centre, Dr. PDKV, Akola: recommended for Zone II comprising the states of Maharashtra, Karnataka, Madhya Pradesh, South Gujarat and North Andhra Pradesh.

Kharif variety:

SPV 2122 (Palamuru Jonna): *Kharif* sorghum variety developed by AICRP centre - Palem, (ANGRAU) and recommended for only Zone I comprising the states of Rajasthan, Uttar Pradesh, North Gujarat, South Andhra Pradesh and Tamil Nadu.

Forage variety:

SPV 2128: *Forage* sorghum variety developed at DSR, Hyderabad, Recommended for Zone II comprising the states of Maharashtra, Karnataka, Madhya Pradesh, South Gujarat and North Andhra Pradesh.

Visit of Dr. RR Hanchinal, Chairperson, PPV&FRA, New Delhi

Dr. RR Hanchinal, Chairperson, PPV&FRA, New Delhi, visited the sorghum DUS testing trials planted at the Directorate of Sorghum Research, Hyderabad on 2nd August,

2014. DSR, Hyderabad is the Nodal centre for DUS testing in sorghum. Dr. Hariprasanna K., Nodal Officer, DSR along with Dr. JV Patil, Director, DSR explained the DUS testing trials conducted for different candidate varieties. Two trials were conducted during kharif 2014 season. Under 1st year of testing 11 candidate varieties comprising of seven new varieties and four farmers' varieties have been characterized along with 16 reference varieties. Out of seven new candidate varieties, four were from Public sector and three were contributed by Private sector. Under 2nd year of testing nine candidate varieties (seven from Private and two from Public sector) have been characterized along with nine reference varieties. The crop was in booting to early flowering stage. Dr. Hanchinal appreciated DSR and the scientists and technical staff for best conduct of trials , and praised for the overall excellent conduct of sorghum DUS testing at DSR.

Implementation of MIS and FMS at DSR

The project entitled "Implementation of Management Information System (MIS) including Financial Management System (FMS) is being implemented from 11 August 2014 at this Directorate. For smooth functioning of the system, M/s. IBM has deputed his engineer to provide one month onsite support followed by 3 years offsite support from the centralized location at IASRI. The activities like creation of Bills, Purchase orders, all kinds of payments, indents, material issues from stores and inventory management etc are to be dealt with online system (http://icarerp.iasri.res.in). Dr. A Kalaisekar, Sr. Scientist has been nominated as Nodal Officer to coordinate with the project team at IASRI & IBM team and will also act System Administrator at DSR-Hyderabad.

Independence Day Celebrated

The Nation's Independence Day was celebrated with great enthusiasm and gaiety on 15 August, 2014 at Directorate of Sorghum Research. Dr. SS Rao. Director in-charge hoisted the national flag and addressed the staff. Dr. Rao stressed on the need to rededicate ourselves with commitment to meet the challenges of food security in India. Though a good progress has been achieved during last few years, there are new challenges to be overcome with focused research, he said. The children of DSR staff also actively participated in the celebrations and sung patriotic songs.

Visitors

Trainees from NAPHM, Hyderabad

Twenty three women farmer trainees from NAPHM, Rajendranagar, Hyderabad, visited DSR on 02 August, 2014 to get exposure about the sorghum research and developments, as a part of their curriculum. The team was enlightened on the institute's research activities and sorghum scenario during the interactions with the scientists. The team showed interest in alternative uses of sorghum, sweet and forage sorghums. This visit at DSR was coordinated by Dr. RR Chapke, Sr. Scientist and A Annapurna, ACTO.

AICSIP News

New Entomologist at Akola

Dr. VU Sonalkar, Assistant Professor of Entomology has joined as the Entomologist under the AICSIP Project Akola on 1st August, 2014.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक : राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हेतु डॉ जे वी पाटील, निदेशक, ज्वा.अनु.नि. की अध्यक्षता में 21 अगस्त 2014 को रा.का.स. की 31वीं बैठक का आयोजन किया गया । बैठक में डॉ जे एस मिश्र, प्रभारी अधिकारी-हिंदी कक्ष (उपाध्यक्ष), डॉ. बी वी भट, प्रभारी अधिकारी-तकनीकी एवं मीडिया कक्ष, डॉ. ए कलैसेकर, प्रभारी अधिकारी, कंप्यूटर एवं वेबसाइट, डॉ. आई के दास, प्रभारी अधिकारी-पुस्तकालय, श्री सरोज कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी तथा श्री ए एन मूर्ति, वित्त एवं लेखा अधिकारी (सदस्य) तथा डॉ. महेश कुमार, तकनीकी अधिकारी-हिंदी (सदस्य-सचिव) उपस्थित थे । बैठक में निदेशालय द्वारा सितंबर माह में आयोजित किए जाने वाले हिंदी चेतना मास समारोह तथा हिंदी कार्यशाला के संबंध में चर्चा की गई ।

Thought for the month

"He who has achieved success has worked well, laughed often and loved much."

-- Elbert Hubbard

Printed Matter / Book Post

To

Compilation, Editing & Lay-out :

Drs. KV Raghavendra Rao, VA Tonapi
Sh. K Sanath Kumar, HS Gawali, &
Dr. B Venkatesh Bhat

Chief Editor & Publisher:

Dr. JV Patil, Director,
Directorate of Sorghum Research

From:

Directorate of Sorghum Research (DSR)

Hq. Rajendranagar, Hyderabad, 500 030 (AP)
Tel: 040-24015349, 24018651
Fax: 040-24016378
Email: dsrhyd-ap@nic.in
Website: www.sorghum.res.in

Centre on Rabi Sorghum (DSR), NH 9,
Bypass , Shelgi, Solapur - 413 006 (Mah.)
Tel: 0217-2373456
Telefax: 0217-2373456
E mail: solapur@sorghum.res.in

Sorghum Off-Season Nursery, Warangal
Officer-In-Charge
Directorate of Sorghum Research
RARS, (ANGRAU)
Mulugu Road,
Warangal.